भाषा नीति पर वियना सम्मलेन के सुझाव

सामाजिक भागीदारी सुदृढ़ करने के लिये 11+1 अपेक्षाएं

जर्मन अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं के XVII अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की पृष्ठभूमि में वियना(IDT2022) में विशेषज्ञों के अंतरराष्ट्रीय समूह द्वारा(लिंक देखें)भाषा नीति के सुझाव प्रस्तुत किये गए । इन्हें IDT2022 के मंच पर प्रस्तुत किया गया और 20 अगस्त को समापन समारोह में स्वीकृत किया गया । राजनीति के साथ-साथ भाषा विशेषज्ञों की दुनिया भी इनका लक्ष्य हैं । ये सम्मेलन के उद्देश्य ∗mit.spache.teil.haben. के अनुसार बने हैं ।

भाषा सीखने-सिखाने और तकनीकी भाषा शिक्षा से जुड़े अध्ययन के कई लक्ष्यों में से एक है, वार्तालाप की क्षमता विकसित करना, जिसके परिणाम स्वरूप समाज में बराबरी की भागीदारी और निर्णय प्रक्रिया में विवेक पूर्ण सहयोग संभव होता है ।

1. जर्मन भाषा **बहुभाषी समाज** में सीखी जाती है । शिक्षार्थी स्वयं कक्षा में कई भाषाएँ, बहु सांस्कृतिक अनुभव और क्षमताएं साथ लेकर आते हैं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है ।

एक भाषा नीति, जो सामाजिक और व्यक्तिगत संसाधनों के साथ-साथ वैश्विक और स्थानीय परिप्रेक्ष्य तथा परिस्थितियों का ध्यान रखती है उसे इसका समर्थन करना चाहिए । समाज की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता पाठ्य सामग्री और शिक्षा के उपलब्ध विकल्पों के सृजन, पाठ्यक्रम, शिक्षण के विषयों के चयन, प्रशिक्षण, उच्च शिक्षा और प्रौढ़ शिक्षा में परिलक्षित होनी चाहिए ।

2. **अंतरराष्ट्रीय सहयोग** को आर्थिक और संरचनात्मक रूप से सहज किया जाना चाहिए और उसे प्रोत्साहन देना चाहिए । जब सभी पक्षों के पास सामान अधिकार

और एक खुले तथा पारदर्शी विनिमय पर आधारित सहयोग कार्य की अनुकूल परिस्थितियों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई हो तब वे विशेष रूप से सफल होते हैं । 'जर्मन: एक विदेशी भाषा या दूसरी भाषा' के विशेष संघों को विशेष समर्थन और मान्यता की ज़रूरत है ताकि वे मजबूती के साथ परस्पर जुड़ाव और विशेष ज्ञान के हस्तांतरण के अपने काम पूरे कर सकें ।

3. जर्मन पढ़ने और पढ़ाने का मूल सिद्धांत **सशक्तीकरण** का विचार होना चाहिए यानी एक ऐसी क्षमता तैयार करना जो शुरू से ही स्व-निर्देशित पढ़ाई जारी रखने और समाज में भागीदारी के साथ ही साथ कार्यक्षेत्र में भी सहायक हो । बहुआयामी और आवश्यकतापरक विकल्प शिक्षार्थियों की विभिन्न रुचियों और ज़रूरतों से मेल खाने चाहिए । वे कोई 'मानव संसाधन' नहीं हैं बल्कि मानव प्रतिष्ठा के अनुकूल उन्हें एक इंसान की तरह देखा जाना चाहिए और हिफाजत करनी चाहिए । यह बात व्यवसायपरक जर्मन कक्षा, वयस्कों की कक्षा और सामान्य रूप से भाषा सीखने-सिखाने वालों, सभी पर लागू है ।

4. भाषाई वांग्मय और संगीत निधि सामाजिक प्रक्रिया में भागीदारी को संभव बना सकते हैं । इसलिए **प्रवासियों** के सन्दर्भ में भाषा का अध्ययन उनके **जीवन की वास्तविकताओं**, काम व दिनचर्या से संबंधित ज़रूरतों के अनुसार होना चाहिए । भाषा का ज्ञान निवास अधिकार के प्रश्नों से अलग होना चाहिए और यह कामकाजी क्षेत्र में या सार्वजनिक सहायता के सन्दर्भ में प्राथमिक आवश्यकता नहीं होना चाहिए । भाषा का दुरूपयोग भेदभाव के साधन के रूप में नहीं करना चाहिए ।

5. विश्व भर में **स्कूली जर्मन कक्षा** ऐसे संयोजित की जानी चाहिए कि शिक्षार्थियों का **सम्पूर्ण भाषाई निधि** संसाधन की तरह इस्तेमाल हो सके और विशेष शिक्षा के साथ-साथ बहुआयामी शिक्षा भी प्रदान करे । इसी के अनुरूप पाठ्यक्रम और

अध्ययन का लक्ष्य बनाया जाना चाहिये, भाषा को प्रोत्साहन और भाषा का अध्ययन स्कूलपूर्व समय से स्कूल के पूरे शिक्षण काल तक **जारी रहना** चाहिए ।

idt wien 2022

6. स्नातक शिक्षा के सन्दर्भ में शिक्षार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं की दक्षता और सहयोग के विकल्पों को बढ़ाने के लिए **छात्रवृत्ति** और **शोध प्रोत्साहन** के कार्यक्रम का निष्पादन राजकीय सहायता से करना चाहिए, जो भाषा के अध्ययन की सफलता का आधार है । विशेष तौर पर जर्मन भाषी देशों में उनके निवास को लेकर उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से इतर उनकी पहुँच इच्छित अध्ययन और शोध विकल्पों तक संभव होनी चाहिए ।

7.**शोधकार्य** शिक्षा नीति के अधिकार क्षेत्र या सीमा में नहीं होना चाहिए । 'जर्मन विदेशी भाषा/जर्मन दूसरी भाषा' में उनकी **स्वतंत्रता और विविधता** सुरक्षित होनी चाहिए । शिक्षा नीति को 'जर्मन विदेशी भाषा /जर्मन दूसरी भाषा' के परिणाम को समझना चाहिए और उसी अनुसार कदम उठाने चाहिए । शोध के क्षेत्र में अंतःविषय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्य को वैज्ञानिक विचार विनिमय के लिए वैश्विक विशेषज्ञ समुदाय और विस्तृत जनसाधारण के लिए एक शुरूआत के रूप में प्रोत्साहित करना चाहिए ।

8.विश्व भर के **शिक्षकों की पहुँच योग्यता बढ़ाने के उच्च कोटि के विकल्पों** तक होनी चाहिए, जो ऊँची गुणवत्ता के अनुरूप हों और विषय के नए विकास के साथ ही साथ शिक्षण और अध्ययन की संस्कृति में स्थानीय संस्थागत भिन्नताओं पर

भी ध्यान देना चाहिए । भिन्न-भिन्न आर्थिक अपेक्षाएं कोई अड़चन न पैदा करें । योग्यता प्राप्त करने के विकल्पों में सहभागिता सभी संभव साधनों द्वारा प्रोत्साहित की जानी चहिये और संबंधित व्यावसायिक सन्दर्भ में उन्हें मान्यता और महत्त्व देना चाहिए ।

9. स्कूल में और स्कूल के बाहर **शिक्षकों की कामकाज की परिस्थितियाँ** बेहतर की जानी चाहिए । बेहतर उपयुक्त पारिश्रमिक, कक्षा के पूर्व तथा बाद के काम के लिए एक उपयुक्त समय, साथ ही साथ नौकरी की परिस्थितियों के सम्बन्ध में दीर्घकालीन दृष्टिकोण और आगे योग्यता बढ़ाए जाने की संभावनाओं के विकल्प मौजूद होने चाहिए ।

10. **डिजिटल बदलाव** ने अध्ययन और शिक्षण की दुनिया में नए विकल्पों के विविध आयाम खोल दिए हैं । उदाहरण के लिए: वास्तविक कक्षा, स्वयं सीखने की अवधि और आभासी(ऑनलाइन) कक्षा । डिजिटलाइज़ेशन शोध और भाषा नीति के क्षेत्र में अन्तरराष्ट्रीय सहयोग को सहज बनाता है । निस्संदेह प्रत्यक्ष मिलने में होने वाले वैचारिक आदान-प्रदान की जगह डिजिटल विकल्प नहीं ले सकते और यह लक्ष्य भी नहीं होना चाहिए कि मानव संसाधन को कम कर दिया जाये । डिजिटलाइज़ेशन वर्तमान में उपस्थित भेदों को और न बढ़ाए इसके लिए डिजिटल दुनिया सब की पहुँच में होनी चाहिए, उदाहरण के लिए संबंधित तकनीकी संरचना और आगे पढ़ने के विकल्प के रूप में ।

11. जर्मन भाषा का अध्ययन भाषा अध्ययन के ऐसे रूप में लिया जाना चाहिए जिसमें सुरुचि और संस्कृति का सहज समावेश हो । इसकी वजह से यह संवहनीय जीवन के तौर-तरीके, मानवीय अधिकार और लिंग सामान अधिकार का संतुलन संभव करे । भाषा सीखने को **अहिंसा और शान्ति की संस्कृति** पर विचार-विनिमय करने की क्षमता विकसित करने के साथ सांस्कृतिक विविधता के महत्व को

समर्थन देना चाहिए ताकि भाषा सीखना **संवहनीय विकास** में अपना सहयोग प्रदान करे और विश्वबंधुत्व के भाव को दृढ़ता प्रदान करे ।

भाषा नीति एक **आत्मनिर्भर राजनीतिक क्षेत्र** के रूप में स्थापित होनी चाहिए, जिसकी स्थिति विचार-विमर्शों में अन्य राजनीतिक क्षेत्रों के समकक्ष हो और जिसे बस प्रतिनिधि अंश की तरह न देखा जाए, जैसा अब तक होता आ रहा है । इसी प्रकार से अधिराष्ट्रीय, गैर-सरकारी संस्थानों तथा नेटवर्क की तरह भाषा नीति की एक आत्मनिर्भर राजनीतिक क्षेत्र के रूप में स्थापना और संरचना, अपने आप को हमेशा सामाजिक और वैयक्तिक बहुभाषिता और भागीदारी के लक्ष्य के आधार के रूप में माहिर करना विभिन्न देशों का काम है ।

स्थिति: 9. अगस्त 2022